इलाज के लिए नवाज शरीफ को ले जाया जा सकता है अमेरिका

अनुमति

शरीफ की सेहत में कोई सुधार नहीं, डॉक्टरों ने अमेरिका भेजने की सलाह दी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
लाहौर। बीमार चल रहे पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को बेहतर इलाज के लिए अगले सप्ताह लंदन से अमेरिका ले जाया जा सकता है। एक मीडिया रिपोर्ट में सोमवार को यह जानकारी दी गई। शरीफ को 19 नवंबर को इलाज के लिए एक एयर ऐंबुलेंस के माध्यम से पाकिस्तान से लंदन ले जाया गया था। भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे शरीफ को अदालत से मंजूरी मिलने के बाद देश के बाहर जाने की अनुमति मिली। बीमार चल रहे पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की प्लेटलेट संख्या में कोई सुधार नहीं हुआ है और डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें अमेरिका ले जाने की सलाह दी है। शरीफ का इलाज अभी लंदन में चल रहा है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) की प्रवक्ता मरियम औरंगजेब ने कहा कि 69 वर्षीय शरीफ की मेडिकल रिपोर्ट से पता चलता है कि उनके मस्तिष्क तक रक्त पहुंचाने वाली धमनियां 88 फीसदी तक बाधित हैं। उन्होंने कहा, ''डॉक्टरों ने इस संबंध में अमेरिका में विशेषज्ञों से मदद लेने की सलाह दी है। हालांकि उन्हें वहां तक ले जाना चिकित्सा दल के लिए बड़ी चुनौती है।'' द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने औरंगजेब को यह कहते हुए उद्धृत किया, ''स्टेरॉयड की भारी खुराक के बाद भी प्लेटलेट संख्या में कोई सुधार नहीं है और स्टेरॉयड की वजह से रक्त शर्करा का स्तर बढ़ रहा है।'' प्रवक्ता ने कहा कि प्लेटलेट की गिरती संख्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। शरीफ को 19 नवंबर को इलाज के लिए एक एयर एंबुलेंस के माध्यम से पाकिस्तान से लंदन ले जाया गया था। लाहौर उच्च न्यायालय ने उन्हें इलाज के लिए चार सप्ताह विदेश जाने की अनुमति दी थी। इस चार सप्ताह की अवधि डॉक्टरों की सिफारिश पर बढ़ाई जा सकती है।

लाहौर हाई कोर्ट ने शरीफ को लंदन जाने की इजाजत दी

लाहौर उच्च न्यायालय ने उन्हें चार सप्ताह के लिए इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति दी थी। यह चार सप्ताह की अवधि डॉक्टरों की सिफारिश पर बढ़ाई जा सकती है। 'डॉन' ने शरीफ के परिवार से जुड़े सूत्रों के हवाले से कहा, 'नवाज शरीफ 16 दिसंबर को बेहतर इलाज के लिए अमेरिका जा सकते हैं।' पाकिस्तान के तीन बार प्रधानमंत्री रहे और पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) सुप्रीमो कई तरह की बीमारियों से पीड़ित हैं।

पाक सरकार ने ब्रिटिश अधिकारियों को लिखा पत्र

इससे पहले एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी सरकार ने ब्रिटिश अधिकारियों को चिट्ठी लिखकर पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को इलाज के बाद इस्लामाबाद को सौंपे जाने का अनुरोध किया है। शरीफ 19 नवम्बर को लंदन के लिए रवाना हुए थे।

न्यूज डायरी

पाक के खिलाफ प्रदर्शन में भारतीय–अमेरिकियों के साथ शामिल हुए पूर्व सैन्य कर्मी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व सैन्यकर्मियों ने कश्मीरी समुदाय और भारतीय अमेरिकियों के साथ मिलकर पाकिस्तान के आतंकवादी समूहों को समर्थन देने के खिलाफ वॉशिंगटन में पाकिस्तानी दूतावास के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने श्पाकिस्तान तालिबान हैश, श्पाकिस्तानी एक आतंकवादी देश है और (ओसामा) बिन लादेन कहां थाश जैसे नारे लगाए और मांग की कि पाकिस्तान को आतंकवाद का प्रायोजक देश घोषित किया जाए। पूर्व सैन्यकर्मी डेविड डीनस्टैग ने कहा, श्मैं अमेरिका में भारत की भूमिका के बारे में जागरुकता फैलाने आया हूं। पाकिस्तान तालिबान का समर्थन करके अमेरिकी बेटों और बेटियों को मार रहा है और यह अक्सर अमेरिकी करदाताओं के धन से किया जाता है। करदाताओं को इसकी जानकारी भी नहीं है। कांग्रेशनल डिस्ट्रिक्ट वर्जीनिया से कांग्रेस (संसद) का चुनाव लड़ रहीं एलिसिया एंड्रयूज भी प्रदर्शन में शामिल हुईं।

न्यूजीलैंड में ज्वालामुखी फटा, पांच की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के व्हाइट आइलैंड पर सोमवार को अचानक ज्वालामुखी फट गया जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई तथा 18 अन्य जख्मी हो गए हैं। इसके अलावा कई लोग वहां फंस गए हैं। पुलिस ने कहा कि व्हाइट आइलैंड पर लगभग 50 लोग गए हुए थे तभी ज्वालामुखी में दोपहर के करीब अचानक विस्फोट हो गया। उन्होंने कहा कि ज्वालामुखी फटने से पांच की मौत हो गई है तथा अन्य का इलाज चल रहा है। घायलों में कई गंभीर रूप से जल गए हैं। हालांकि अभी द्वीप पर फंसे हुए लोगों की संख्या के बारे में जानकारी नहीं मिली है लेकिन माना जा रहा है कि इनकी संख्या दहाई में है। उपायुक्त जॉन टिम्स ने कहा, "अभी हमें लोगों के बारे में सटीक जानकारी नहीं है न ही उनकी कुशलता के बारे में कुछ पता है।" उन्होंने कहा कि रात होने पर बचाव अभियान चलाना बहुत मुश्किल होगा।

फिनलैंड की सना मारिन बनीं दुनिया की सबसे युवा प्रधानमंत्री

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। सिर्फ 34 साल की उम्र में प्रधानमंत्री! जी हां, सना मारिन फिनलैंड की नई प्रधानमंत्री बनी हैं और वह सिर्फ 34 साल की हैं। वह देश के राजनीतिक इतिहास में सबसे युवा प्रधानमंत्री हैं। बता दें कि फिनलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री साउली निनीस्तो के पद से इस्तीफा देने के बाद से सना मारिन के प्रधानमंत्री बनने के कयास लगाए जा रहे थे। हालांकि, ऐसा नहीं है कि वह सीधे ही प्रधानमंत्री के पद पर काबिज हो गई हैं। इससे पहले वह परिवहन और संचार मंत्री भी रही हैं।
इसके साथ 34 वर्षीय मारिन दुनिया की सबसे युवा प्रधानमंत्री बन गई हैं। इसके पूर्व यह खिताब यूक्रेन के प्रधानमंत्री ओलेक्सी होन्चेरुक के नाम था। उव वक्त वह दुनिया के सबसे युवा प्रधानमंत्री थे, लेकिन मारिन ने 34 वर्ष में यह पद धारण कर सबसे युवा प्रधानमंत्री का खेताब अपने नाम कर लिया है।

अब अपनी खुशी से जीना चाहती हैं यहां की महिलाएं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। कोरियाई प्रायद्वीपीय देश उत्तर कोरिया को लेकर कई तरह की खबरें सामने आती रहती हैं। वहीं दक्षिण कोरिया को हम हर तरह से संपन्न, विकसित और खुली सोच वाला देश मानते हैं। लेकिन, ऐसा नहीं है। महिलाओं को लेकर सामने आई एक खबर आपको भी अपनी सोच को बदलने को मजबूर कर सकती है। दरअसल, महिलाओं से जुड़ी जिन बातों को हम केवल विकासशील या पिछड़े मुल्कों की बता कर पल्ला झाड़ लेते थे उसका असर अब काफी दूर तक हो रहा है। आपको बता दें कि ज्यादातर विकासशील और गरीब देशों में पुरुष प्रधान समाज देखा जाता है। महिलाओं के हक की वहां पर बातें तो होती हैं लेकिन उनकी जमीनी हकीकत कुछ और ही होती है। ऐसा ही कुछ दक्षिण कोरिया में भी देखने को मिला है।

कबूतरों के भारत प्रेम से परेशान हैं पाकिस्तानी, नहीं लेते लौटने का नाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में भारतीय सीमा के पास के कबूतरबाज अपने कीमती और दुर्लभ प्रजातियों के कबूतरों की 'बेवफाई' से काफी परेशान हैं। उनके इन कबूतरों में से कई तेज हवा के साथ उड़ते हुए भारत चले जाते हैं और फिर या तो उन्हें भारत पसंद आ जाता है या फिर वे रास्ता भूल जाते हैं और लौटकर पाकिस्तान नहीं आते। इससे इन पाकिस्तानी कबूतरबाजों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इंसानों की बनाई सरहद को यह परिंदे नहीं मानते और नतीजा यह होता है कि कुछ मामलों में लाख रुपये तक की कीमत के कबूतर को उसे पालने वाला खो बैठता है।
एक्सप्रेस न्यूज' की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय सीमा के पास के इलाकों वाघा, भानुचक, नरोड, लवानवाला और कई अन्य जगहों में कई ऐसे लोग हैं जिन्हें कबूतर पालने का और कबूतरबाजी का शौक है। अपने इस शौक को पूरा करने के लिए यह लोग बहुत कीमती कबूतर भी पालते हैं। इनमें ऐसे कबूतर भी होते हैं जिनकी कीमत एक लाख रुपये या इससे भी अधिक होती है। कई दफा ऐसा होता है कि यह अपनी छतों से अपने जिन कबूतरों को उड़ाते हैं, वे सरहद पार कर भारत चले जाते हैं। कई तो वापस लौटकर अपनी छत पर आ जाते हैं, लेकिन कई ऐसे भी हैं जो नहीं लौटते।

अब पुरुषों और महिलाओं के लिए नहीं होगी अलग एंट्री

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रियाद। रूढ़िवादी समझे जाने वाले इस्लामी देश सऊदी अरब में अब रेस्तरां और कैफे में महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग–अलग प्रवेश द्वार नहीं होंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। देश में सामाजिक प्रतिबंधों में ढील देने की पहल को आगे बढ़ाते हुए इस दिशा में एक और कदम उठाया गया है। रेस्तराओं में लंबे समय से अविवाहित पुरुषों के लिए एक प्रवेश द्वार, जबकि दूसरा प्रवेश द्वार महिलाओं एवं परिवारों के लिए होता था। नगर पालिका एवं ग्रामीण मामलों के मंत्रालय ने रविवार को ट्वीट किया कि वह अविवाहित पुरुषों के लिए अलग और परिवारों के लिए अलग प्रवेश द्वार की आवश्यकता समेत रेस्तरां के लिए कई अनिवार्यताओं को समाप्त कर रहा है।

साउथ अफ्रीका की जोजिबिनी टूंजी ने जीता मिस यूनिवर्स 2019 का खिताब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अटलांटा। ब्यूटी कॉन्टेस्ट मिस यूनिवर्स 2019 का खिताब इस बार साउथ अफ्रीका की जोजिबिनी टूंजी ने जीता है। अमेरिका के अटलांटा में आयोजित रंगारंग समारोह में मिस साउथ अफ्रीका को यह ताज पहनाया गया। 90 देशों की सुंदरियों ने इसमें हिस्सा लिया और कई राउंड तक चली प्रतियोगिता में मिस साउथ अफ्रीका ने सबको मात देकर खिताब अपने नाम कर लिया।
जैसे ही जोजिबिनी के नाम की घोषणा हुई, वह खुशी के मारे रो पड़ीं। स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने भी तालियों से उनका स्वागत किया। प्रतियोगित के सवाल–जवाब राउंड में अपने जवाब से उन्होंने जजों के साथ ही दर्शकों का भी दिल जीत लिया। सुंदरता का अर्थ क्या होता है के जवाब में उन्होंने कहा, मैं जिस स्किन कलर के साथ जिस देश में पैदा हुई वहां पारंपरिक अर्थों में मुझे सुंदर नहीं माना जाता था। मैं चाहती हूं कि यह खिताब जीतकर में लौटूं तो मेरे देश के बच्चे मुझे देखें और गर्व से भर जाएं। वो मुझमें अपना एक अक्स देखें।
जोजिबिनी टूंजी को जब क्राउन पहनाया गया उन्होंने गोल्डन रंग का खूबसूरत गाउन पहन रखा था। प्रतियोगिता के पहले राउंड में उन्होंने रैंप पर पारंपरिक दक्षिण अफ्रीकी परिधान में रैंप वॉक किया।

लाहौर हाईकोर्ट का इमरान सरकार को आदेश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। लाहौर हाइकोर्ट ने सोमवार को पाकिस्तान सरकार को यह आदेश दिया कि वह सात दिनों के भीतर पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज की उपाध्यक्ष मरियम नवाज की उस याचिका पर फैसला करे जिसमें उन्होंने अपना नाम एक्जिट कंट्रोल लिस्ट से हटाने की गुजारिश की है। समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक, जस्टिस अली बाकिर नजफी की अध्यक्षता वाली पीठ ने मरियम नवाज की याचिका पर यह निर्देश जारी किया।
उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज ने शनिवार को लाहौर हाईकोर्ट (एलएचसी) में याचिका दाखिल करके अपना नाम एक्जिट कंट्रोल लिस्ट (ईसीएल) से हटाने की मांग की थी। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, इस याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने सोमवार को पाकिस्तान सरकार की रिव्यू कमेटी को निर्देश दिया कि वह इस मामले में एक हफ्ते के भीतर फैसला ले।